जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

19 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की टीम ने 'चेकमेट 2025' राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्मृति पुरस्कार प्राप्त किया

नई दिल्ली: जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विधि संकाय की टीम ने आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित "चेकमेट 2025" - राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के 14वें संस्करण में दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्मृति पुरस्कार प्राप्त किया है। ओम गुप्ता, मैत्रेयी मिश्रा और तन्वी की टीम ने क्वार्टर फाइनलिस्ट का स्थान प्राप्त किया और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अधिवक्ता दीपा सिंह और गौतम दत्त की उपस्थिति में माननीय न्यायमूर्ति आर.के. गर्ग, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से रु. 9,000/- के चेक साहित एक ट्रॉफी प्राप्त की।

दिनांक 14-15 फरवरी, 2025 को आयोजित दो दिवसीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में देश भर की टीमों ने भाग लिया, जिसमें शीर्ष 16 टीमों ने स्मृति मूल्यांकन दौर के उपरांत मौखिक दौर के लिए अर्हता अर्जित की। मूट प्रोब्लम आपराधिक कानून और प्रौद्योगिकी के परस्पर संबंधों से संबंधित थी, जो नव अधिनियमित भारतीय न्याय संहिता, 2023; भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के प्रावधानों से ली गई थी।

विधि संकाय के डीन प्रो गुलाम यजदानी ने टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा, "यह उत्कृष्ट उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और कानूनी कौशल का प्रमाण है और वह भी विशेष तौर पर प्रथम वर्ष के छात्रों के रूप में। मैं टीम को हार्दिक बधाई देता हूं और उनके भविष्य के मूटिंग प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करता हूं।"

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया